तमिलनाडु

— ऊंटी ग्रीष्म उत्सव

— चिदाम्बरम् में शिवरात्रि नाट्यांजली

— चित्तराय उत्सव, मदुरै

— महाबलीपुरम डांस उत्सव

— चाय और पर्यटन उत्सव, कुनूर

उत्तर प्रदेश

— ताज महोत्सव, आगरा

— अकबर उत्सव, फतेहपुर सीकरी

— अवध उत्सव, लखनऊ

— योग उत्सव, ऋषिकेश

पश्चिम बंगाल

— विष्णुपुर उत्सव

— कलकत्ता शान्ति निकेतन उत्सव

— दार्जिलिंग चाय उत्सव

अण्डमान और निकोबार

— द्वीप महोत्सव

चण्डीगढ़

— गुलाब उत्सव

— तीज उत्सव

पांडिचेरी

— फीट डी पांडिचेरी

दिल्ली

— अंतर्राष्ट्रीय शाम मेला

— अंतर्राष्ट्रीय सिटरस उत्सव

— अंतर्राष्ट्रीय पतंग उत्सव

— उद्यान उत्सव

उत्तर भारत में पर्यटन के महत्व वाले तीर्थ-स्थल

78. श्री महेश्वर सिंह : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर भारत में उन तीर्थ-स्थलों के नाम क्या-क्या हैं जो पर्यटन की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं; और

(ख) भारतीय पर्यटन विकास निगम ने उपरोक्त तीर्थ-स्थलों के विकास के लिए कौन-कौन सी योजनाएं स्वीकृत की हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के अनुसरण में गठित तीर्थ-पर्यटन समिति ने उत्तरी भारत में विकास हेतु निम्नलिखित तीर्थ केन्द्र/परिपथ अभिनिर्धारित किए हैं :—

1.	हिमाचल प्रदेश	(1) पौंटा साहिब
		(2) ज्वाला जी
2.	जम्मू और कश्मीर	(1) माता वैष्णों देवी
3.	राजस्थान	(1) अजमेर शरीफ
4.	उत्तर प्रदेश	(1) बद्रीनाथ, केदारनाथ गंगोत्री, यमुनोत्री
		(2) बरसाना, नंदगांव, गोकुल, मथुरा, वृन्दावन गोवर्धन।

(ख) केन्द्र सरकार ने अभिनिर्धारित तीर्थ केन्द्रों/परिपथों के संबंध में राज्य सरकारों के विशिष्ट अनुरोध पर निम्नलिखित योजनाएं/स्कीमें स्वीकृत की हैं :—

(लाख रु० में)

क्रम सं०	परियोजना/स्कीम का नाम	स्वीकृत राशि
1.	भवन, जम्मू और कश्मीर में यात्री निवास	45.00
2.	कटरा और भवन, जम्मू और कश्मीर में तम्बू आवास	10.36
3.	कटरा, जम्मू और कश्मीर में तीर्थ शैड	18.75
4.	देवी माई, कटरा, जम्मू और कश्मीर में पर्यटक परिसर	15.90
5.	माता वैष्णों देवी, जम्मू और कश्मीर के लिए प्रचार सहायता	9.83
6.	विश्राम स्थली (रैन बसेरा), अजमेर, राजस्थान में तीर्थ शैड	10.28
7.	विश्राम स्थली (पक्का ढांचा), अजमेर, राजस्थान में तीर्थ शैड	24.38
8.	विश्राम स्थली, अजमेर, राजस्थान में जन सुविधाएं	8.48
9.	नन्द प्रयाग, उत्तर प्रदेश में तम्बू आवास	6.38
10.	हेलांग, उत्तर प्रदेश में पर्यटक गृह	10.41
11.	अगस्त मुनि, उत्तर प्रदेश में पर्यटक गृह	10.36
12.	वृन्दावन, उत्तर प्रदेश में तम्बू आवास	10.00

इन परियोजनाओं को स्वीकृत करने में भारत पर्यटन विकास निगम की कोई भूमिका नहीं है ।

गैर-सरकारी एयर टैक्सी आपरेटर द्वारा पुराने फाकर विमान के आयात में की गई अनियमितताएं

79. **श्री अजीत जोगी**
चौधरी हीरा सिंह } : **क्या नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नागर विमानन महानिदेशालय को एक प्रमुख गैर-सरकारी एयर टैक्सी आपरेटर द्वारा एक पुराने फाकर यात्री विमान के आयात में की गई कुछ अनियमितताओं का पता चला है,

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या इस संबंध में अब तक कोई जांच कराई गई है, और

(घ) यदि हां, तो इस जांच के क्या निष्कर्ष निकले और ऐसे उपकरणों के लिए निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने के लिये दोषी पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) से (घ) मैसर्स कन्टीनेंटल एविएशन प्राइवेट लिमिटेड ने न्यूजीलैंड से एक एफ-27 विमान के आयात के लिए नागर विमानन के महानिदेशक से अनुमति मांगी थी और विमान के निर्माण का वर्ष 1972 बताया । तथापि, जब विनिर्माता से तारीख की पुष्टि करने का अनुरोध किया गया तो यह पता चला कि विमान के निर्माण का वर्ष 1961 था, न कि 1972 ।

विमान का उड़न योग्यता प्रमाण-पत्र तुरन्त वापस ले लिया गया और विमान के उड़ान भरने से मनाही कर दी गयी थी ।